कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MTT–051

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(संशोधित)
(पी. जी. डी. टी.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2024
एम. टी. टी.-051 : अनुवाद : सिद्धांत एवं परंपरा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या* ***9*** *अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न संख्या* ***1*** *से* ***8*** *तक किन्हीं* ***चार*** *के उत्तर लगभग* ***750*** *शब्दों (प्रत्येक में) तथा प्रश्न संख्या* ***9*** *में पूछी गई टिप्पणियों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग* ***350*** *शब्दों में दीजिए।*

1. अनुवाद के व्यापक संदर्भ की सोदाहरण चर्चा कीजिए। 20

2. साहित्येतर पाठ के संदर्भ में अनुवाद की सीमाओं की विवेचना कीजिए। 20

3. प्राचीन भारतीय अनुवाद सिद्धांत पर निबंध लिखिए। 20

4. सुजित मुखर्जी के अनुसार, "अनुवाद एक खोज (डिस्कवरी) है।" नवलेखन के संदर्भ में इस कथन की व्याख्या कीजिए। 20

5. अनुवाद की आधुनिक पाश्चात्य अनुवाद परंपरा पर प्रकाश डालिए। 20

6. उत्तर-औपनिवेशिकता की अवधारणा का परिचय देते हुए अनुवाद और उत्तर-औपनिवेशिकता पर विचार कीजिए। 20

7. "अनुवाद की क्रियात्मक इकाई संस्कृति है।" इस कथन की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए। 20

8. भूमंडलीकरण और अनुवाद की प्रासंगिकता पर लेख लिखिए। 20

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 10×2=20

(क) विश्व साहित्य के अध्ययन में अनुवाद का महत्व

(ख) भाषायी वर्चस्व और अनुवाद

(ग) ए. के. रामानुजन का अनुवाद सिद्धांत

(घ) अमेरिकी अनुवाद परंपरा

×××××××